देवी-देवताओं के आभूषणों को दशकों तक सुरक्षित रखने के लिए पवित्रता और सुंदरता के साथ-साथ आभूषणों की मजबूती को भी समान महत्व दिया जाता है।

शिवम् रिलिजियस ज्वैलरी परंपरागत तरीके से आपकी आवश्यकता के अनुसार 100% शुद्ध सोने-चांदी के आभूषण प्रदान करता है। धातुओं से आभूषण बनाने का काम बहुत ही उचित मूल्य और समय पर किया जाता है।

Shivam
Religious Jewellery

F/10, ओमकार काम्प्लेक्स , जानी शेरी,
घड़ियाली पोल, मांडवी, वडोदरा

98799 77128
shivamldp1919@gmail.com
www.shivamreligiousjewellery.com

samir.panchal.923519 shivamreligiousjewellery

Shivam
Religious Jewellery

शिवम् रिलिजियस ज्वैलरी

परंपरा और
शुद्धता का मेल

परंपरा... यही वह एक मात्र शब्द है जिसके द्वारा हमारा धर्म और संस्कृति युगों-युगों से जीवित है। परंपरा द्वारा प्रवाहित झरने ने हमारी संस्कृति को सीमित नहीं होने दिया है, बल्कि इसे निरंतर प्रवाहित और धड़कते रखा है। परंपरा में पवित्रता का सामंजस्य होने पर आस्था का दीपक प्रज्वलित हो जाता है। परंपरा और शुद्धता का एक ही नाम- शिवम् रिलिजियस ज्वैलरी।

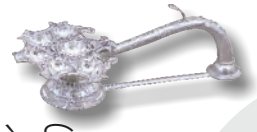

शिवम् रिलिजियस ज्वैलरी चार पीढ़ियों द्वारा धार्मिक आभूषणों के लिए समर्पित एक नाम है। शिवम् रिलिजियस ज्वैलरी 100 से भी अधिक वर्षों से, देश और विदेशों के मंदिरों एवं भक्तों को सौ प्रतिशत शुद्ध और पारंपरिक रूप से तैयार किए गए धार्मिक आभूषण पंहुचा रहा है।

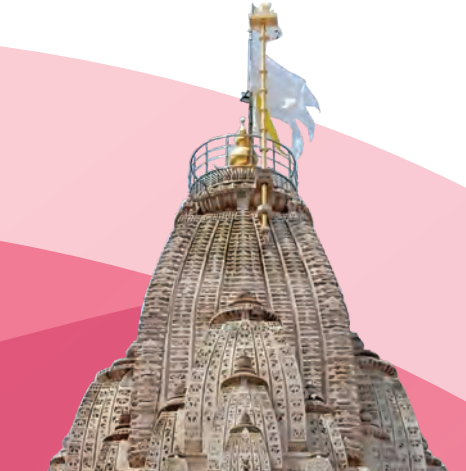

शिवम् रिलिजियस ज्वैलरी का पवित्र उद्देश्य कीमती धातुओं के ऐसे उत्पाद बनाना जिनमें शुद्धता और आस्था की लेश मात्र भी कोई कमी नही रहे । इस परिवार का उद्देश्य न केवल आभूषण व्यवसाय से पैसा कमाना है, बल्कि धार्मिक आभूषणों की अनेक श्रेष्ठ परंपराओं का भी विस्तार होता रहे। पवित्रता, सौंदर्य और शक्ति, शिवम् रिलिजियस ज्वैलरी के प्रमुख लक्ष्य हैं।

'शिवम् रिलिजियस ज्वैलरी' की नींव 1919 में श्री लल्लूराम दामोदरदास पांचाल द्वारा रखी गई थी। भगवान श्री विश्वकर्माजी की असीम कृपा से श्री लल्लूरामजी द्वारा कला और शिल्प कौशल का विकास हुआ, जिसे आज भी चौथी पीढ़ी संभालती आ रही है। श्री लल्लूरामजी ने अपनी आस्था, कौशल और कुशलता से स्वयं अपने हाथों से आभूषणों को गढ़ा और नैतिकता के साथ धार्मिक आभूषणों का अभ्यास किया। इसी विरासत को आज भी उनके पुत्र, पौत्र और प्रपौत्र संभाल रहे हैं। पितामह के अमूल्य, सिद्धांत और मूल पारंपरिक पद्धति शिवम् रिलिजियस ज्वैलरी की वर्तमान पीढ़ी के लिए अमूल्य विरासत की धरोहर रूप है और यही कारण है कि इनका नाम न केवल पूरे गुजरात राज्य में है बल्कि पूरे देश और विदेशों में भी प्रसिद्ध हो गया है।

किसी भी धर्म या संप्रदाय के देवी-देवताओं की मूर्तियां, देवी-देवताओं के आभूषण, मंदिर की पवित्र वस्तुएं पारंपरिक रूप से 100% शुद्ध 24 कैरेट सोने से बनाई जाती हैं। शुद्ध सोने के गहनों के अलावा सोने-चांदी के वरक (पन्नी) या सोना-चांदी के झोल (परत) चढ़े आभूषण भी बनाकर दिए जाते हैं।

हमारे विभिन्न उत्पाद

देवी-देवताओं की मूर्तियाँ
अन्य कलात्मक मूर्तियाँ
देवी-देवताओं के मुकुट
देवी-देवताओं के हथियार
(तलवार, गदा, त्रिशूल, चक्र, धनुष, आदि)

शंख
पद्मा
फूल
चरण पादुका
सिंहासन
झूला

पालकी
गर्भगृह की दीवार
बरसाखी
कपाट
ध्वजदंड
शिखर - कलश